वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 | अंक : 173 | मंगलवार 18 अक्टूबर 2022 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राजे के पक्ष में उतरे सीएम गहलोत, कहा...

वसुंधरा के साथ भाजपा जो कर रही वो ठीक नहीं

जयपुर. शाबाश इंडिया

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए मतदान सोमवार को प्रदेश कांग्रेस कमेटी भवन में हुआ। इस दौरान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट सहित कांग्रेस के सभी वरिष्ठ नेताओं ने मतदान किया। मतदान के बाद मुख्यमंत्री गहलोत ने मीडिया से खुलकर बात की। इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के बारे में एक सवाल के जवाब में गहलोत ने कहा कि विपक्ष में होने से हमारी निन्दा करना उनका काम है। लेकिन वसुंधरा के साथ भाजपा जो कर रही है उसे ठीक नहीं कहा जा सकता। बड़े नेता उनसे मिलते नहीं, अपॉइंटमेंट नहीं देते यह सब ठीक नहीं है। वहीं गहलोत ने गांधी परिवार के प्रति अपना समर्पण जताया। उन्होंने विनोबा भावे को उद्धृत किया और कहा कि जैसे भावे कहते थे कि उनके और गीता माता के संबंध तर्क से परे हैं। वैसे ही उनके और गांधी परिवार के संबंध भी तर्क से परे हैं। उन्होंने कहा कि 19 अक्टूबर को अध्यक्ष चुनाव के नतीजे आने के बाद भी परिवार से वैसे ही संबंध रहेंगे जैसे 50 साल से हैं।

पायलट पर साधा निशाना

कांग्रेस में चल रही अंदरूनी खींचतान के बीच मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपने विरोधियों पर तंज कसते हुए कहा

कि इनकी रगड़ाई नहीं होने से ये फितूरबाजी कर रहे हैं। ये लोग जितनी जल्दबाजी करेंगे, उतनी ही ठोकर खाएंगे। दो साल पहले जब विधायकों की बगावत हुई थी, उस समय गहलोत का सचिन पायलट की रगड़ाई नहीं होने वाला बयान खासा चर्चा में आया था। मुख्यमंत्री ने इस बार सचिन का नाम लिए बिना रगड़ाई वाला बयान दोहराया। उन्होंने नसीहत दी कि युवाओं को काम करना चाहिए। अनुभव लेना चाहिए। अभी पार्टी के बुरे दिन हैं, अच्छे दिन आएंगे तो उन्हें मौका दिया जाएगा।

उदयपुर में इस बार कड़ाके की ठंड के आसार

न्यूनतम तापमान पहुंचा 15.5 डिग्री, 5 साल बाद अक्टूबर के तापमान में इतनी गिरावट

उदयपुर. कासं

उदयपुर में मानसून के थमने के साथ ही मौसम के मिजाज में बदलाव हो रहा है। सोमवार को अधिकतम तापमान 31.6 एवं रात का तापमान 15.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। रात के पारे में 5 साल बाद अक्टूबर के दूसरे सप्ताह में इतनी गिरावट हुई है। आमतौर पर अक्टूबर के अंतिम और नवंबर के पहले सप्ताह में न्यूनतम तापमान 15 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचता है। अल सुबह व देर रात बाइक पर चलने वाले लोग अब हल्के ऊनी वस्त्रों का उपयोग भी करने लगे है। इस बार कड़ाके की ठंड पड़ने के आसार है। मौसम विभाग के अनुसार इस बार उदयपुर संभाग सहित दक्षिणी राजस्थान में कड़ाके की सर्दी पड़ेगी। सिरोही और उदयपुर में पारा माइनस तक पहुंचने की संभावना रहेगी। दरअसल मानसून ने इस बार दक्षिणी राजस्थान में देरी से प्रवेश किया और विदाई के बाद भी अक्टूबर में बारिश हुई।

ग्रेटर नगर निगम में कांग्रेस राज!

जयपुर. कासं

जयपुर ग्रेटर नगर निगम के बोर्ड में भाजपा को बहुमत है, लेकिन कांग्रेस सरकार की ओर से तय महापौर शील धाभाई महापौर की निगम में कुर्सी संभाल रही है। हालांकि शील धाभाई भाजपा से ही पार्षद है, लेकिन भाजपा की अधिकृत महापौर प्रत्याशी नहीं है तथा भाजपा ने अभी तक उनकी नियुक्ति पर सहमति भी नहीं दी है। भाजपा के बड़े नेताओं व पार्षदों की आपसी खींचतान व गुटबाजी के कारण विवादों के बाद भी पिछले एक साल में नए महापौर दावेदार का नाम ही तय नहीं हो पाया। कांग्रेस ने पिछली साल भी शील धाभाई को महापौर नियुक्त कर कार्य विस्तार भी दिया था। इसको लेकर भाजपा पार्षदों के एक गुट ने विरोध भी किया था। भाजपा शहर अध्यक्ष राघव शर्मा का कहना है प्रदेश नेतृत्व ने महापौर के लिए कमेटी बना रखी है। यह कमेटी ही निर्णय लेगी। इधर, उप जिला निर्वाचन अधिकारी अमृता चौधरी का कहना है महापौर के निर्वाचन को लेकर निर्वाचन विभाग की

ओर से फिलहाल कोई सूचना नहीं आई है। जयपुर ग्रेटर नगर निगम में 150 वार्ड है। भाजपा के 88 पार्षद बने। इसमें से भाजपा के चार पार्षद बर्खास्त हो चुके। भाजपा के विधायक कालीचरण सराफ, नरपत सिंह राजवी व अशोक लाहोटी अपने क्षेत्र से महापौर बनवाना चाहते है। वहीं भाजपा के ज्यादातर पार्षद मौजूदा महापौर शील धाभाई को यथावत रखने के पक्ष में है, लेकिन एक धड़ा अंदरूनी तौर पर नया महापौर बनाने के लिए लॉबिंग कर रहा है। पिछले साल भी करीब 50 पार्षदों की एक होटल में बैठक भी हो चुकी है। वर्तमान महापौर शील धाभाई, पार्षद रश्मि सैनी, राजू देवी सैनी, सुखप्रीत बंसल, संजू चौधरी, भारती लख्वानी को भी महापौर का दावेदार बताया जा रहा है। बताया जा रहा है कि अंदरूनी बगावत के कारण यदि भाजपा का महापौर नहीं बन पाया तो राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश व शहर पदाधिकारियों की किरकिरी होगी। ऐसे में फिलहाल फैसला टाला जा रहा है।

विवाद के बाद मेयर सौम्या गुर्जर को हटाया गया था

भाजपा पार्षद सौम्या गुर्जर को नवंबर 2020 में महापौर बनाया गया। सफाई कंपनी के विवाद मामले में कमिश्नर से मतभेद के बाद 6 जून को सरकार ने सौम्या गुर्जर, 2 चेयरमैन व एक पार्षद को सस्पेंड कर दिया। फिर कांग्रेस सरकार ने भाजपा पार्षद शील धाभाई को मेयर बनाया। जनवरी 2022 को सौम्या ने दुबारा पद संभाला। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद सरकार ने 27 सितंबर को सौम्या को बर्खास्त कर दिया।

45 जैन श्रावकों ने किए चारदिवारी स्थित प्राचीन जैन मन्दिरों के दर्शन

कोडीवालों के चैतालय में बिराजमान मूलनायक सम्भवनाथ भगवान की अतिशयकारी प्रतिमा।

जयपुर. शाबाश इंडिया

45 श्रद्धालुओं के एक दल ने श्रावक श्रेष्ठि हीरा चन्द बैद के नेतृत्व में दो दिन तक लगातार प्रातः 7 बजे से दोपहर 11 बजे तक जैन काशी गुलाबी नगरी जयपुर के चार दीवारी मे जौहरी बाजार क्षेत्र के 26 बडे एवं प्राचीन दिगम्बर जैन मन्दिरों की वन्दना की। प्रातः सभी दर्शनार्थि बापू नगर के पंडित टोडरमल स्मारक भवन में सीमंधर स्वामी के दर्शन करके जौहरी बाजार पहुंचें। पहले दिन सभी साधर्मियों ने पारसनाथ स्वामी का मन्दिर, खवास जी का रास्ता, 18 महाराज का मन्दिर एवं विजय पाण्ड्या का मन्दिर , पानों का दरिबा, बक्शी जी का मन्दिर, बक्शी जी का चोक, मुशरफों का मन्दिर, मुशरफों का चोक, लूणकरण जी पाण्ड्या का मन्दिर, ठाकुर पचेवर का रास्ता, गोधों का मन्दिर एवं वास गौधों का मन्दिर, गौधों का चोक यहां पर श्रीमती सुधा गोधा ने सभी का स्वागत किया, दरोगा जी का मन्दिर ऊंचा कुआं, हल्दियों का रास्ता, गुमानी राम जी का मन्दिर, फागी का मन्दिर,गौधों का मन्दिर नागोरियों का चोक, बधीचन्द जी का मन्दिर, ठोलियों का मन्दिर, घी वालों का रास्ता के मन्दिरों के दर्शन करके प्रसन्नता व्यक्त की एवं अपने आप को धन्य माना । ठोलियों की धर्मशाला में यात्रा के सह संयोजक पवन बज के संयोजन में सभी ने स्वल्पाहार का आनन्द लिया। तत्पश्चात बड़े मन्दिर जिसे पं. टोडरमल जी के मन्दिर के नाम से भी जाना जाता है के दर्शन कर सभी अभिभूत हुए इस एतिहासिक मन्दिर में सभी ने बहुत उत्साह से पंडित टोडरमल जी के प्रवचन वाली गद्दी के समक्ष फोटो खिंचवायें।अभी वर्तमान में बहुत ही लोकप्रिय युवा विद्वान देश विदेश में अनेक उपाधियों से सम्मानित डा.संजीव जी गोधा नियमित रूप से यहां आचार्यकल्प पंडित टोडरमल जी की प्रवचन वाली गद्दी पर बैठ कर प्रवचन करते हैं।देश- विदेश के सैंकडों श्रद्धालु आनलाइन जुड़ कर गोधा जी के प्रवचन से धर्म लाभ प्राप्त करतें हैं। इसी क्रम में दूसरे दिन रविवार को सभी दर्शनार्थि सबसे पहले चाकसू के चोक घीवालों के रास्ते में चाकसू के मन्दिर एवं बूचरों के मन्दिर के दर्शन करके दाई की गली में कोडीवालों की हवेली में कोडीवालों के चैत्यालय पंहूचें यहां पर प्रसिद्ध समाज सेवी अरूण कोडीवाल ने हीरा चन्द बैद, पवन बज, सुशील जैन, नवीन जैन, सुनील बज , राजेन्द्र कुमार बैद का स्वागत किया तथा यहां के मूल नायक भगवान सम्भव नाथ स्वामी के चमत्कार के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि यह प्रतिमा आकाश मार्ग से कैसे आई और विभिन्न मान्यताओं के बारे में सम्पूर्ण जानकारी प्रदान की उन्होंने बताया कि पूरे देश - विदेश में यहां का प्रचार करने में पत्रकार हीरा चन्द बैद का बहुत बड़ा योगदान है, इसी वजह से यहां विभिन्न चैनल वाले आकर इतिहास को दर्ज करके वीडियो बना कर प्रसारित कर रहें हैं। तभी से यहां दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में निरन्तर वृद्धि हो रही है। चैत्यालय कमेटी द्वारा हीरा चन्द बैद का आभार व्यक्त किया। भगवान सम्भवनाथ के जयकारों के साथ यहां से मोतिसिंह भोमियों के रास्ते में 24 महाराज के मन्दिर, लाडीबाई जी का मन्दिर, मारू जी के चोक में मारू जी का मन्दिर, नये बैराठियों के मन्दिर, चौधरियों के मन्दिर और अन्त में निगोतियों के मन्दिर के दर्शन करने के पश्चात शिवजी राम भवन में मनोज जैन, सुनील बज के संयोजन में सभी ने अल्पाहार किया व जैन मन्दिर वन्दना यात्रा के संयोजक व सह संयोजक हीरा चन्द बैद व पवन बज का आभार व्यक्त करते हुए सभी की तरफ से दिलिप जैन ने समय की अनुकूलता के अनुसार किशनपोल व चांदपोल क्षेत्र के मन्दिरों के दर्शन कराने का अनुरोध किया। अन्त में यात्रा के आयोजकों ने सभी का धन्यवाद किया।

★★★

पूरे देश-विदेश में यहां का प्रचार करने में पत्रकार हीरा चन्द बैद का बहुत बड़ा योगदान है...

बंधी चन्द जी के मन्दिर में बिराजमान विदेह क्षेत्र के वर्तमान प्रथम तीर्थंकर श्री सीमंधर स्वामी की प्राचीन प्रतिमा।

संवत 117 की महावीर स्वामी की प्रतिमा

मुख्यमन्त्री गहलोत ने किया कल्पद्रुम् विधान के पोस्टर का विमोचन

1से 9 नवम्बर तक होगा भव्य आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

गुलाबी नगरी जयपुर में आचार्य गुरुवर सुनील सागर महा मुनिराज अपने संघ सहित भट्टारक जी की नसिया में चातुर्मास हेतु विराजमान है। प्रातः भगवान जिनेंद्र का जलाभिषेक एवं पंचामृत अभिषेक हुआ, उपस्थित सभी महानुभावों ने पूजा कर अर्घ्य अर्पण किया। पश्चात गुरुदेव के श्री मुख से शान्ति मंत्रों का उच्चारण हुआ, सभी जीवो के लिए शान्ति हेतु मंगल कामना की गई। सन्मति सुनील सभागार मे बाहर से आए सभी श्रावकों ने अर्घ्य अर्पण कर चित्र अनावरण करते हुए दीप प्रज्जवलन कर धर्म सभा का शुभारंभ किया। उक्त जानकारी देते हुए चातुर्मा व्यवस्था समिति के प्रचार मंत्री रमेश गंगवाल ने बताया कि मंगलाचरण श्रीमती अनीता सौगाणी ने तथा मंच संचालन इन्दिरा बडजात्या जयपुर ने किया। चातुर्मास व्यवस्था समिति के महामन्त्री ओम प्रकाश काला ने बताया कि अजमेर व कुशलगढ़ से पधारे समाज बन्धुओं ने आचार्य श्री के समक्ष श्रीफल अर्पण किया। चातुर्मास व्यवस्था समिति के मुख्य संयोजक रूपेंद्र छाबड़ा राजेश गंगवाल ने बताया धर्म सभा मे आचार्य श्री का पाद प्रक्षालन देवेन्द्र शाह, हंसमुख कुशल गढ परिवार ने किया। पूज्य गुरु देव को जिनवाणी शास्त्र भेंट किया गया। प्रातः आचार्य सुनील सागर चातुर्मास व्यवस्था समिति का एक प्रतिनिधिमंडल दिनेश खोडनिया विधायक व महेन्द्र जीत मालवीय जल संसाधन मन्त्री राजस्थान सरकार तथा मुख्य संयोजक रुपेन्द्र छाबड़ा के नेतृत्व में मुख्यमंत्री निवास पर उन्हें आचार्य श्री के द्वारा लिपिबद्ध जिनवाणी भेंट की ,और आगामी अष्टान्हिका पर्व के पोस्टर का विमोचन कराया गया। प्रतिनिधिमंडल में राजेश गंगवाल, मुकेश जैन, राजेंद्र पापड़ीवाल, त्रिलोक गोधा, प्रदीप जैन उपस्थित रहे। रुपेंद्र छाबड़ा ने मुख्यमंत्री महोदय को राजस्थान में प्राकृत एवं जैन विद्या अकादमी की स्थापना हेतु एक ज्ञापन प्रस्तुत किया, जिस पर मुख्यमंत्री ने तुरंत अग्रिम कार्यवाही करने हेतु आदेश प्रसारित किए। पूज्य गुरुदेव ने अपने मंगल मयी उद्बोधन में कहा अपने आचरण को शुद्ध कर लो, जो भी कुछ गठित होगा तो हमारा जीव संसार से मुक्त होकर सिद्धालय में जाएगा, मन को ही मंदिर बना लो, देव शास्त्र गुरु की आराधना से मन निर्मल होता है तीर्थ यात्रा का अर्थ है विषय वासना से मुक्त होना। इससे मन की शुद्धि होती है पर इसमें अहम की भावना नहीं होनी चाहिए।

भगवान महावीर के दर्शन करने आज महावीर जी पहुंचेंगे 6 देशों के राष्ट्रदूत

जयपुर. शाबाश इंडिया

करौली जिले के दिगम्बर जैन क्षेत्र श्री महावीरजी में विश्ववन्दनीय ,जैन धर्म के चौबीस वें तीर्थकर भगवान महावीर के दर्शन लाभ हेतु मंगलवार, 18 अक्टूबर को 6देशों के राजदूत पहुंचेंगे।इस मौके पर सभी राष्ट्रदूत हिण्डौन, करौली में विकास कार्यों का अवलोकन भी करेंगे। जानकारी देते हुए दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी प्रबंधकारिणी कमेटी के अध्यक्ष एडवोकेट सुधांशु कासलीवाल एवं मानद् मंत्री महेन्द्र कुमार पाटनी ने बताया कि बुल्गारिया में भारतीय राष्ट्रदूत संजय राणा के नेतृत्व में यूक्रेन, मोरक्को, नामीबिया, अरेमिया और दक्षिण सूडान के राजदूत आयेंगे। प्रशासनिक समन्वयक भारत भूषण जैन ने बताया कि क्षेत्र कमेटी द्वारा राजदूतों के आगमन के सम्बन्ध में पूर्ण तैयारियां कर ली गई है। इससे पूर्व सभी राजदूत हिंडौन सिटी में हिंडौन सिटी स्थित सेंड स्टोन की फैक्ट्रियों का अवलोकन करेंगे। हिंडौन पहुंचने से पूर्व दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी में भगवान महावीर की मूंगावर्णी अतिशयकारी, भू गर्भ से प्रकटित प्राचीन प्रतिमा के दर्शन करेंगे। राजदूतों के आगमन पर व्यवस्था हेतु करौली जिला कलेक्टर अंकित कुमार एवं उपखण्ड अधिकारी सुरेश हरसोलिया ने सभी अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं।

श्री दि.जैन मुनि संघ सेवा समिति रजि.अजमेर

भव्यातिभव्य गुरु तीर्थ स्वर्णिम यात्रा सम्पन्न

आचार्य सुनील सागर महाराज ससंघ 57 पिच्छी के किये दर्शन

अनिल पाटनी. शाबाश इंडिया

अजमेर। वर्षायोग- 2022 के अन्तर्गत श्री दि.जैन मुनि संघ सेवा समिति (रजि.) अजमेर के तत्वावधान में गुरु तीर्थ स्वर्णिम यात्रा मे रविवार दि.16 अक्टूबर 2022 को प्रातःकाल 5.30 बजे 10 बसों के द्वारा करीब 600 साधर्मीजन के साथ राजधानी जयपुर मे विराजमान परम पूज्य आचार्य श्री 108 सुनीलसागरजी महाराज की चरण वंदन हेतु प्रस्थान किया। पूज्य मुनि श्री संबुद्धसागरजी महाराज व पूज्य मुनि श्री संविज्ञसागरजी महाराज का विशेष शुभाशीष लेकर पंचायत छोटा धडा.नसियाँ अजमेर से यात्रा प्रारंभ हुई। चन्द सोगानी ने बताया गुरु तीर्थ स्वर्णिम यात्रा मे अजमेर नगर के नयाबाजार,सरावगी मौहल्ला, नलाबाजार, नसियाँ, आगरा गेट, सोनीनगर, कोटडा, ज्ञानविहार, रातीडाग, पार्श्वनाथ कॉलोनी वैशालीनगर, छतरी योजना, पंचशीलनगर, आनंदनगर, केसरगंज, नाकामदार, पालबीछला, सर्वोदय कॉलोनी व शास्त्रीनगर आदि क्षेत्रों मे निवास करने वाले साधर्मी बंधुओ ने यात्रा हेतु उत्साह व उमंग के साथ प्रस्थान किया। समिति अध्यक्ष सुशील बाकलीवाल ने बताया यात्रा निर्विघ्न,पूर्ण आनंदमयी व पुण्यवर्धक रही, सर्वप्रथम आचार्य श्री सुनीलसागर जी महाराज के दर्शन वंदन, संगीतमय गुरू पूजा मे सभी यात्रियों ने सुसज्जित अर्घ समर्पित किये,बिलवा तीर्थ क्षेत्र के दर्शन,तत्पश्चात श्री दि.जैन अतिशय क्षेत्र बाडा.पदमपुरा के पावन दर्शन एवं आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त हुआ ।स्वर्णिम यात्रा मे पूर्व जिला प्रमुख पुखराज पहाडिया,समिति अध्यक्ष सुशील बाकलीवाल, कोमल लुहाडिया,विनय पाटनी, राजेन्द्र पाटनी, नरेन्द्र गोधा,धर्म चन्द गोधा, मनोज मोडासिया, दिनेश चन्द पाटनी, राजकुमार पाण्डया, विनित जैन, नितिन दोसी, मुकेश पाण्डया आदि थे।

आर्यिका 105 विकक्षा श्री माताजी का 46 वां एवं ज्ञेयकश्री माताजी का 65 वां जन्मदिन मनाया गया

अमन जैन कोटखावदा. शाबाश इंडिया

निवाई। श्री शांतिनाथ दिगंबर अग्रवाल जैन मंदिर निवाई में परम पूज्य भारत गौरव आर्यिका रत्न 105 विज्ञाश्री माताजी ससंघ के सानिध्य में आज प्रातः अभिषेक शांतिधारा के तत्पश्चात प्रवचन देते हुए कहा कि- संसार परिभ्रमण का मुख्य कारण केवल एक है यदि वह कारण हमारे द्वारा नष्ट हो जाए तो हमारा संसार परिभ्रमण भी नष्ट हो जायेगा। वह है मुख्य रूप से मोह। मोहिनी कर्म इस जीव को संसार में परिभ्रमण कराता है। मोहित हो जाना अर्थात उस में लीन हो जाना, उस में खो जाना, अपने आप को भूल जाना, अपने स्वभाव को भूल जाना, अपने मूल धर्म को भूल जाना, और पय को ही सब कुछ मान लेना। यहां तक कि अपने अस्तित्व को भूलकर पर अपना अस्तित्व स्वीकार कर लेना यह कहलाता है मोह और जो अपने अस्तित्व को स्वयं स्वीकार कर लेता है, अपने अस्तित्व के अलावा सोष सबको पर मनाता है वह व्यक्ति मोक्ष का पात्र बन जाता है ।

वेद ज्ञान

जीवन में संगीत

ध्यान की गहराई का पैमाना है संगीत। दोनों में कोई बुनियादी फर्क नहीं है। तन्मयता दोनों का स्वभाव है। जिसने स्वरों के बीच प्रवाहित अभंग लयबद्धता का अनुभव कर लिया वह ब्रह्मभाव में प्रतिष्ठित हो गया। हम तो संसारी स्वरों की बेतरतीब खनखनाहट सुनते हैं, उनके मध्य चल रहा समस्वर का संगीत नहीं। जैसे विविध वाद्ययंत्रों की विशिष्ट स्वर लहरियों में 'एकतान संगीत' समाया हुआ है वैसे ही ब्रह्मांड के विविध घटकों में कृष्ण की बांसुरी बज रही है। ऐसा प्रश्न करना नासमझी है कि संगीत कहां नहीं है? हवा की सरसराहट में, वन की मरमराहट में, नदी की कलकल में, चिड़ियों की चहक में, सितारों की चमक में, फूलों की महक में, भ्रमर के गुंजार में, झींगुर की झंकार में और रात के सन्नाटे में निरंतर संगीत चल रहा है। हृदय से जुड़ो तो आपको भी सुनाई देगा। अध्यात्म ने संगीत को काफी महत्व दिया है, लेकिन आधुनिक संगीत मात्र मनोरंजन का माध्यम बन गया है। आज संगीत भी कारोबार बन चुका है। इन दिनों हमारे भीतर उपद्रव बहुत है। हम बाजार की सड़क बन गए हैं, जहां केवल शोरगुल है। इस अराजक परिवेश में महासंगीत कैसे सुनाई देगा? इसे सुनने के लिए स्थिर मन चाहिए। संगीत की 'ट्यूनिंग' शांत चित्त में होती है। बाजारू विचार की मक्खियां जब तक भीतर भिनभिना रही हैं तब तक महासंगीत सुनाई नहीं देगा। अनंत संगीत का झरना भीतर बह रहा है। भीतर जाने के लिए ध्यान के सिवा कोई अन्य उपाय नहीं है। दुनिया में थोड़े लोग हैं, जो हृदय के संगीत पर थिरकते हैं। संसारी लोग तभी नाचते हैं, जब उन्हें बाहर का संगीत मिलता है। आज 'पॉप म्यूजिक' प्रचलन में है। जब तक संगीतज्ञ ध्यान की गहराई में नहीं उतरता तब तक वह श्रोताओं का अंतर्मन नहीं छू पाता। विशुद्ध प्रेम दीवानी मीरा और चैतन्य का नर्तन भले ही टेक्निकल न हो, फिर भी उनके अंतस की गहराई में संगीत घटा है। संगीत के महत्व से इंकार नहीं किया जा सकता। कहने का आशय है कि संगीत वही है, जो आपके अंतस और मन को छू ले। भारतीय शास्त्रीय संगीत आपको ध्यान सरीखी अनुभूति कराने में सक्षम है। भारतीय शास्त्रीय संगीत अंतस को स्पंदित कर देता है, लेकिन इसे विडंबना ही कहेंगे कि आज लोग भारतीय संगीत की तुलना में पाश्चात्य संगीत से कहींज्यादा प्रभावित हैं।

संपादकीय

हंसी का पात्र क्यों न बनना पड़े....

कई बार लगता है कि अगर पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत को केंद्र में रख कर झूठ और आरोप का सहारा लेना छोड़ दे तो वैश्विक परिदृश्य में उसकी मौजूदगी को कैसे देखा जाएगा। दरअसल, भारत के संदर्भ में एक ही प्रकृति की बात करने का पाकिस्तान आदी हो चुका है, जिसमें गलत अवसर पर और बिना वजह के भी निराधार बोलने में उसे कोई हिचक नहीं होती, भले ही ऐसा करने के लिए उसे हंसी का पात्र क्यों न बनना पड़े! फिलहाल दुनिया के तमाम देश रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध को लेकर चिंता जता रहे हैं और उसे रोकने के लिए संयुक्त राष्ट्र में लगातार प्रयास कर रहे हैं। इसी क्रम में बुधवार को संयुक्त राष्ट्र में यूक्रेन के कुछ शहरों पर रूस के कब्जे से उपजे हालात पर बहस हो रही थी। लेकिन इसमें मतदान के दौरान पाकिस्तान ने एक बार फिर यूक्रेन का संदर्भ देते हुए कश्मीर का मुद्दा उठा दिया। जाहिर है, विश्व स्तर पर संबंधित मंचों के जरिए यूक्रेन और रूस के बीच चल रहे युद्ध को रोकना प्राथमिकता में है और पाकिस्तान इसे अपने लिए सुविधा के मौके के तौर पर इस्तेमाल करने कोशिश कर रहा है। स्वाभाविक ही भारत ने इस पर कड़ी आपत्ति दर्ज की और इसे पाकिस्तान का बेसिर-पैर वाला बयान बताते हुए करारा जवाब दिया। संयुक्त राष्ट्र में भारत की ओर से सख्त लहजे में कहा गया कि हम यह पहले भी देख चुके हैं और उसी कड़ी में एक बार फिर पाकिस्तान की तरफ से इस वैश्विक मंच का दुरुपयोग किया गया और भारत के खिलाफ निराधार टिप्पणी करने की कोशिश की गई। यों भारत की ओर से स्थिति फिर स्पष्ट करते हुए कहा गया कि जम्मू-कश्मीर का पूरा क्षेत्र हमेशा से भारत का अभिन्न हिस्सा रहा है और रहेगा, लेकिन यह समझना मुश्किल है कि इस तरह की स्पष्टता और ठोस हकीकत के बावजूद पाकिस्तान बेवक्त और बिना आधार के मुद्दों पर भारत पर अंगुली उठाने की आदत का शिकार क्यों हो गया है। इस मौके पर भारत के सामने भी यह कहने की जरूरत पैदा हो गई कि हम पाकिस्तान से सीमा पार आतंकवाद को रोकने का आह्वान करते हैं, ताकि हमारे नागरिक सुकून से रह सकें। एक प्रश्न नैतिकता का भी बनता है कि जिस वक्त संयुक्त राष्ट्र रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध और उसके बिगड़ते स्वरूप पर चिंता जता रहा है, उस वक्त पाकिस्तान को अपने बेबुनियाद सवाल रखने का साहस कहां से मिलता है! दरअसल, पाकिस्तान अब इस बात का प्रतीक बनता जा रहा है कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अगर व्यापक दृष्टि के साथ किसी मसले पर बहस करने सलाहियत नहीं है तो बिना वजह भी भारत पर अंगुली उठा दिया जाए, ताकि वहां उसे केंद्र में आने का मौका मिल सके। यह जगजाहिर है कि जम्मू-कश्मीर की भौगोलिक-राजनीतिक स्थिति, यानी इसके भारत का हिस्सा होने का तथ्य बिल्कुल स्पष्ट होने के बावजूद पाकिस्तान लगातार इसे विवादित बनाने की कोशिश में लगा रहता है। हालांकि उसे आज तक इस संबंध में कोई कामयाबी नहीं मिली और अक्सर अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उसकी फजीहत होती रहती है। मगर वह बाज नहीं आता। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

हिंसा का मानस...

पिछले दिनों थाईलैंड में नौकरी से निकाले गए एक पुलिस अफसर ने बच्चों के पालनाघर पर गोलीबारी की। इसमें छत्तीस लोग मारे गए। मरने वालों में चौबीस बच्चे थे। वे दुधमुंहे, जिनका कोई कसूर नहीं, बाकियों का भी नहीं, उन्हें एक आदमी ने पल भर में मौत की नींद सुला दिया। बाद में उसने भी आत्महत्या कर ली। इससे पहले अमेरिका में अठारह साल के एक किशोर ने एक स्कूल पर हमला कर उन्नीस बच्चों को मार डाला था। आक्रमण करने से पहले उसने 'आनलाइन' चेतावनी भी दी थी कि वह एक नामी स्कूल पर धावा बोलने जा रहा है। यही नहीं, इससे पहले उसने अपनी दादी को भी मार दिया था। अपने घर से अस्सी किलोमीटर दूर जाकर, उसने इन घटनाओं को अंजाम दिया। वह लड़का सिर्फ कक्षा चार तक पढ़ा था। इससे पहले इसकी कोई आपराधिक पृष्ठभूमि भी नहीं थी। अमेरिका में ही उससे दस दिन पहले, एक श्वेत ने अश्वेत लोगों के इलाके में बने एक माल पर हमला करके तेरह लोगों को मार दिया था। अमेरिका के बारे में कहा जाता है कि वहां जितनी आबादी है, उसके मुकाबले हथियारों की संख्या लगभग दोगुनी है। कई बार बच्चे अपने बस्ते में हथियार लेकर चले जाते हैं। हथियार कारोबारियों का वहां दबदबा इतना तगड़ा है कि कोई दल या राष्ट्र प्रमुख चाहे भी तो उस पर रोक नहीं लगा सकता। रिपब्लिकन पार्टी हथियारों पर रोक का हमेशा विरोध करती है। वहां लोग यह भी कहते हैं कि हथियारों पर रोक का कानून बन भी जाए तो उससे कुछ नहीं होगा। लोगों के मानसिक स्वास्थ्य पर नजर रखनी चाहिए। हालांकि जिन लोगों ने स्कूलों पर गोलीबारी की, उनके मानसिक स्वास्थ्य के बारे में शायद ही किसी को पता था। पता होता भी तो यह कैसे जाना जा सकता था कि वे कब नन्हे बच्चों को मौत के घाट उतार देंगे। कोई यह भी नहीं बताता कि जो हथियार अपनी सुरक्षा के लिए हैं, उनका कहर अधिकतर स्कूलों और निरपराध लोगों पर ही क्यों टूटता है। जिस अठारह साल के लड़के ने उन्नीस बच्चों को मारा, उसके पास अर्धस्वचालित बंदूक आई कैसे। यूनिसेफ के अधिकारी ऐसी घटनाओं पर दुख प्रकट करते रहते हैं। संयुक्त राष्ट्र भी स्कूलों पर आक्रमण की निंदा कर चुका है। मगर ऐसे रस्मी दुखों से बच्चों की जान नहीं बचती। यह भी कहा जाता है कि अमेरिका में शायद ही कोई ऐसा दिन होगा, जब इस तरह की घटनाएं किसी न किसी इलाके में न घटती हों। 1999 से पहले स्कूलों में गोलीबारी की घटनाएं अक्सर नहीं सुनी जाती थीं। होती भी थी तो एकाध की मौत होती थी। मगर तब से अब तक स्कूलों-कालेजों में ऐसी घटनाएं खूब होने लगी हैं। इन घटनाओं में मरने वालों की संख्या बढ़ती ही जा रही है। ऐसी अधिकांश घटनाओं में मारने वालों के मन में खुद को खत्म कर लेने की भी इच्छा थी, तभी हत्याओं के बाद उन्होंने आत्महत्या भी की। यही नहीं, बहुतों ने अपने परिजनों को भी मारा। जिंदगी से ऐसी भी क्या नफरत थी कि न दूसरों को जीने दो, न खुद जियो। आखिर इन लोगों के ऊपर क्या गुजरी कि उन्हें अपनी जिंदगी के साथ, दूसरों की जिंदगी को भी लेने का खयाल आया। वह भी स्कूलों में। पाकिस्तान, मैक्सिको, अफगानिस्तान, यूक्रेन में भी ऐसी घटनाएं होती रहती हैं। अस्पतालों पर भी आक्रमण की खबरें आती हैं। जबकि कहा जाता है कि युद्ध के दिनों में भी अस्पतालों और स्कूलों पर आक्रमण नहीं किए जाते।

DJSG डांडिया गरबा रास शानदार सफ़लता के साथ संपन्न

कुंडली भाग्य नागिन 3 के टीवी स्टार नवीन शर्मा व 91.1 रेडियो fm RJ रोहित की आकर्षक उपस्थिति रही

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन जयपुर के तत्वावधान में दिगंबर जैन सोशल ग्रुप डायमंड, पिंक पर्ल, वीर, ग्रुप द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित डांडिया गरबा रास 2022 जमुना गार्डन टोंक रोड पर शानदार सफलता के साथ संपन्न हुआ। रीजन अध्यक्ष राजेश-सीमा बड़जात्या ने बताया कि समारोह के मुख्य अतिथि सीए सुनील-सपना जैन, उद्घाटन कर्ता सुरेंद्र - मृदुला पांड्या, दीप प्रज्वलन कर्ता यश कमल - संगीता अजमेरा, महाआरती पुण्याजर्क राजकुमार - चंदा सेठी, पुरस्कार वितरण कर्ता धीरज - सीमा पाटनी की गौरवमई उपस्थिति रही। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय वरिष्ठ परामर्शक महेंद्र कुमार पाटनी, रीजन पूर्व अध्यक्ष अतुल - नीलिमा बीलाला, रीजन कार्याध्यक्ष सुनील-सुमन बज की ओजस्वी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण कलर्स टीवी के कुंडली भाग्य नागिन 3 के टीवी स्टार नवीन शर्मा थे, उपस्थित सदस्य में उनका काफी क्रेज देखा गया और उनके साथ सेल्फी खिंचवाने में सभी को बहुत आनंद आया। कार्यक्रम का मंच संचालन रेडियो सिटी 91.1 एफएम के फ्ख रोहित द्वारा किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलाचरण, मंडप उद्घाटन, दीप प्रज्वलन, मंगलाचरण नृत्य पिंक पर्ल ग्रुप द्वारा, महावीर भगवान की आरती, डायमंड ग्रुप द्वारा नृत्य

की प्रस्तुति कर किया गया। इसके पश्चात ऊख द्वारा हिंदी गुजराती राजस्थानी गानों की मधुर धुनों पर रंग बिरंगी परिधानों से सजे हुए पुरुष महिला बच्चों ने शानदार डांडिया नृत्य किया। कार्यक्रम के निर्णायक गण, मीनाक्षी, श्रीमती प्रीति गोयल व श्रीमती नेहा विजयवर्गीय थी। बेस्ट ड्रेस - 《 कपल -मेल - फीमेल - किड्स 》 बेस्ट डांसर - 《 कपल -मेल - फीमेल - किड्स 》 के प्रथम व द्वितीय रहे विजेताओं को आकर्षक पुरस्कार प्रदान किए गए। समारोह में मनोरंजक हाउजी भी खिलाई गई जिसमें विजेताओं को आकर्षक पुरस्कार वितरित किए गए। कार्यक्रम में लकी ड्रा भी निकाला गया जिसमें तीन भाग्यशाली विजेताओं को चयनित किया गया सभी को आकर्षक पुरस्कारों से नवाजा गया। रीजन महासचिव निर्मल -सरला संघी ने बताया कि डायमंड ग्रुप के अध्यक्ष प्रमोद - सोनल सोनी सचिव रमेश- सजना छाबड़ा, कोषाध्यक्ष सुरेशकुमार - आभा रानी गंगवाल, संयोजक टिकम चंद - दीपशिखा अजमेरा, पिंक पर्ल के अध्यक्ष राजेश - विनीता चौधरी, सचिव संजय गंगवाल, कोषाध्यक्ष अरविंद- अनुपमा बिलाला, संयोजक मनीष-सुरभि सोगानी, वीर ग्रुप के अध्यक्ष नीरज रेखा जैन सचिव पंकज - कशिश जैन, कोषाध्यक्ष आशीष -रिद्धि जैन, संयोजक संजय- गरिमा जैन, कि टीम ने कार्यक्रम को बहुत ही शानदार व व्यवस्थित रूप से आयोजित किया। रीजन कोषाध्यक्ष पारस मंजू जैन ने बताया कि कार्यक्रम में जयपुर मैन ग्रुप के अध्यक्ष राजेंद्र कुमार जैन, गुलाबी नगर के सचिव विनोद बड़जात्या, जैन भारती की सचिव संगीता छाबड़ा, मैत्री ग्रुप के अध्यक्ष रमेश सोगानी सचिव सुनील बड़जात्या, संगिनी फार एवर ग्रूप की अध्यक्ष शकुंतला जैन, सम्यक ग्रुप के अध्यक्ष महावीर बोहरा तथा सचिव इन्द्र कुमार जैन, स्वस्तिक ग्रुप के अध्यक्ष सतीश बाकलिवाल, विराट ग्रुप के अध्यक्ष बसंत जैन ने भी उपस्थिति हो कर सहभागिता की। अन्य ग्रुपो के सदस्यों की भी काफी संख्या मे उपस्थिति रही।

रामपुरा धाम से दी सराना थानाधिकारी लक्ष्मण सिंह राजावत को स्थानांतरण विदाई

पुलिस जन सेवा में अपना जीवन समर्पित करती है: डीएसपी घनश्याम शर्मा

रोहित जैन. शाबाश इंडिया।
नसीराबाद। क्षेत्र के निकट वीर तेजाजी धाम रामपुरा से गादीपति रतन लाल महाराज के सानिध्य में सोमवार को सराना थानाधिकारी लक्ष्मण सिंह राजावत को स्थानान्तरण विदाई दी गई। इस मौके पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक घनश्याम शर्मा ने बताया की किसी धार्मिक स्थल से पुलिस अधिकारी को स्थानांतरण विदाई देने का मतलब उसकी अच्छी कार्य शैली और छवि की दशार्ती है वैसे भी पुलिस जनसेवा में जीवन समर्पित करके अपने फर्ज को पूरा करती है। इस विदाई के मौके पर थानाधिकारी लक्ष्मण सिंह ने सबको धन्यवाद देते हुए सबसे इसी तरह पुलिस को सहयोग की अपील की। इस अवसर पर श्रीनगर प्रधान कमलेश गुर्जर, जनसेवा प्रदेश अध्यक्ष जीवराज जाट, चतर सिंह व गोरधन सिंह राठौड़, हगामी लाल माली, किशन अग्रवाल, मोहन शर्मा, गोपाल व दीपक प्रजापत और सौरभ सेन तथा पुलिस अधिकारी व कर्मचारी के साथ कई ग्रामीण उपस्थित थे।

स्वभाव से जीवन का उत्थान

श्रमण मुनि श्री विशल्यसागर जी मुनिराज

झुमरीतिलैया. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन समाज के नेतृत्व में कोडरमा में चल रहे चातुर्मास में परम पूज्य मुनि श्री 108 वाक केशरी विशल्य सागर जी महाराज की प्रवचन श्रृंखला में स्वभाव से जीवन का उत्थान : श्रमण मुनि श्री विशल्यसागर जी मुनिराज कुशल व्यवहार आपके जीवन का आईना है इसका आप जितना अधिक इस्तेमाल करेंगे आपकी चमक उतनी ही बढ़ जायेगी।चाहते हैं चमत्कार, तो अपने व्यवहार को ठीक करें, अच्छा और विन्रम व्यवहार ही आपको संसार में देगी नही पहचान, सबको प्रेम और सम्मान दीजिए यह आपकी ओर से दिये जाने वाले मंहेगे - मंहेगे तोफो से बेश कीमती है। विन्रमता को जीवन में लाईये जिसमें सुंदर - सुंदर पुष्प खिल सके, लग सके भाषा इज्जत की बोलिए जिससे हर शब्द हीरे - मोती बन सके। श्री 1008 महावीर दिगम्बर जैन मंदिर झुमरी तिलैया (कोडरमा) में विराजमान प. पू. श्रमण मुनि श्री विशल्यसागर जी मुनिराज ने अपने वक्तव्य में कहा कि समय का मूल्य पहचानिये सार्थक कामों में खर्च किया गया समय तिजोरी में सुरक्षित हो जाता है, वहीं बातों और गप्पों में हाँका गया समय कूड़ेदान में चला जाता है उदासी को जीतिए, नहीं तो आप संसार के सुंदर उपवन में चिंता, तनाव और अवसाद के कांटों से भरे हुये बबूल भर बनकर रह जायेगे।प्रलय आने पर समुद्र भी अपनी मर्यादा छोड़ देता है, पर सज्जन लोग महाविपत्ति आने पर भी मयार्दा नहीं छोड़ते। पू. गुरुदेव के दर्शन हेतु आज हस्तिनापुर (उत्तरांचल) से आये ओर जैन तीर्थंकर के जन्म स्थली को विकास करने में अपना पूर्ण जीवन समर्पित करने वाले स्वामी रविन्द्र भैया जी ने गुरूवर के चरणों मे श्री फल चढ़ाया और आशीर्वाद प्राप्त किये। जानकारी नवीन जैन और राज कुमार अजमेरा ने दी।

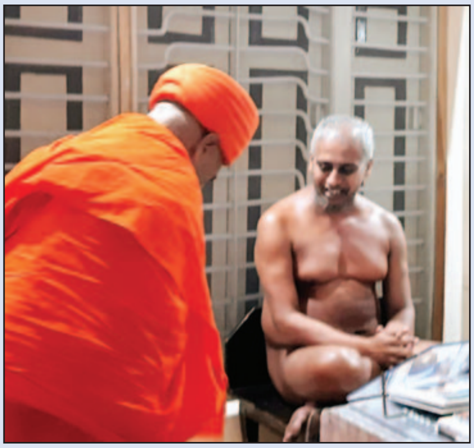

शिविर में 106 मरीजों ने कराई आंखों की जांच

जयपुर. शाबाश इंडिया। शेखावाटी अग्रवाल समाज संस्था के तत्वावधान में संजय एंड ज्योति अग्रवाल फाउंडेशन के सौजन्य से 119 वाँ निशुल्क लेंस प्रत्यारोपण शिविर महाराजा अग्रसेन हॉस्पिटल में आयोजित किया गया। संस्था के अध्यक्ष नथमल बंसल ने बताया कि शिविर में 106 मरीजों ने आंखों की जांच करवाई जिसमें 86 व्यक्तियों को चश्मे वितरण किया गया एवं 5 व्यक्तियों को ऑपरेशन के लिए चयन किया गया। इस मौके पर संजय एंड ज्योति अग्रवाल फाउंडेशन के प्रतिनिधि कमल नयन बांग्ला ओम प्रकाश मोदी, अनिल कुमार सिंगडोदिया, शिव कुमार जालान, ,विनोद कुमार बजाज, विनोद गुप्ता, मंतूराम टेकरीवाल, राजकुमार लोहिया, रामसुंदर जयपुरिया, पुरुषोत्तम लाल अग्रवाल, महेश देवड़ा, ओमप्रकाश मान धनिया, , बृज किशोर अग्रवाल, हीरालाल आदि उपस्थित थे।

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान का आगाज

बाल विवाह बुराई को खत्म करने हेतु ली शपथ

अनिल पाटनी. शाबाश इंडिया

अजमेर। लायंस क्लब अजमेर पृथ्वीराज ने राजस्थान महिला कल्याण मण्डल एवं कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रन्स फाउण्डेशन के द्वारा अजमेर जिले में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान में भागीदारी निभाई ।लायंस मार्केटिंग के डिस्ट्रिक चेयरपर्सन लायन राजेंद्र गांधी ने बताया कि अभियान की शुरूआत अजमेर शहर के बजरंग गढ़ चौराहे से की गई। जहां कैंडल जलाकर आमजन को बालविवाह के विरुद्ध जागरूक किया गया। उल्लेखनीय है कि नोबेल पुरस्कार से सम्मानित कैलाश सत्यार्थी के नेतृत्व में सम्पूर्ण भारत वर्ष में प्रारम्भ किए गए बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अन्तर्गत ये कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं । इस अवसर पर उपस्थित सभी ने बाल विवाह रोकथाम की शपथ ली। अभियान में संजय सावंलानी सहायक निदेशक बाल अधिकारिता विभाग अजमेर, तब्बसुम बानो व राजलक्ष्मी करारिया बाल कल्याण समिति सदस्य , लायन आभा गांधी, स्वस्थ्य भारत स्वच्छ भारत की डिस्ट्रिक चेयरपर्सन लायन आभा गांधी, लक्ष्मण गौड़ आर.पी.एफ. इन्चार्ज, सुधीर कुमार उपाध्याय थानाधिकारी कोतवाली, लॉयन्स क्लब पृथ्वीराज से लायन राजेन्द्र गांधी, क्लब

अध्यक्ष लायन गजेन्द्र पंचोली, कमल गंगवाल, जिला पुलिस, मानव तस्करी विरोधी ईकाई, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रेल्वे सुरक्षा बल स्टाफ आदि अतिथियों ने मोमबत्ती जलाकर अभियान का समर्थन किया। इस अवसर पर बाल विवाह जागरूकता एवं रोकथाम हेतु पेम्पलेट का विमोचन भी किया गया । संस्था निदेशक राकेश कुमार कौशिक के नेतृत्व में संयुक्त निदेशक अनुराग सक्सेना, उप निदेशक नानूलाल प्रजापति, संस्था के पद्मा चौहान, लक्ष्मण सिंह चौहान, वीना कश्यप, राजकुमार सुनारीवाल, वनीता पंवार, प्रेमनारायण शर्मा, पवन कुमार, योगिता, चित्रलेखा, रक्षिता, प्रेमसुख टॉक, दीपक जोरम, दिनेश रावत, पारूल मोर्य, कल्पना चौहान, प्रियंका आदि कार्यकर्ताओं ने अभियान में हिस्सा लिया। शपथ आज - लायंस क्लब अजमेर पृथ्वीराज द्वारा मंगलवार को प्रातः 7.15 बजे वैशालीनगर स्थित वीर उद्यान में आमजन को बाल विवाह रोकथाम की शपथ दिलाई जाएगी ।

मुनि श्री शुभम सागर महाराज ससंघ एवं आर्यिका रत्न चिन्मय मति माताजी ससंघ को श्रीफल भेंट किया

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

न्यू हाउसिंग बोर्ड शास्त्री नगर स्थित सुपार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में पदमप्रभु दिगंबर जैन मंदिर ट्रस्ट की ओर से मुनि श्री शुभम सागर महाराज ससंघ एवं आर्यिका रत्न चिन्मय मति माताजी ससंघ को श्रीफल भेंट कर बापू नगर में आगामी 12 नवंबर 2022 को आयोजित मंदिर के प्रथम स्थापना दिवस पर आयोजित कलशाभिषेक एवं सम्मान समारोह समारोह में आने का निवेदन किया। ट्रस्ट अध्यक्ष लक्ष्मीकांत जैन ने बताया कि पदम प्रभु दिगंबर जैन मंदिर के प्रथम स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रमों में मुनिश्री शुभम सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में होने की संभावना बताई एवं इस पुनीत कार्य के लिए आशीर्वाद दिया। ट्रस्ट मंत्री पूनम चंद सेठी ने बताया कि दो दिवसीय मंदिर स्थापना दिवस कार्यक्रमो में 11 नवंबर को सायंकाल भक्तामर आरती के उपरांत महिला मंडल द्वारा भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं 12 नवंबर को प्रातः मूलनायक बड़े बाबा पदम प्रभु भगवान पर 108 रिद्धि मंत्रों से महामस्तकाभिषेक एवं शांति धारा होगी। साथ ही सभी प्रतिमाओं पर अभिषेक शांतिधारा भी होगी। इस दौरान पदम प्रभु मंडल विधान पूजा एवं सम्मान समारोह आदि कार्यक्रम आयोजित होंगे। उल्लेखनीय है कि ट्रस्ट अध्यक्ष लक्ष्मीकांत जैन की अध्यक्षता में मंदिर प्रांगण में आम सभा हुई जिसमें कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

दिगंबर जैन महासमिति टोंक संभाग के सदस्यों का जयपुर में हुआ सम्मान

पदमपुरा में पूज्य स्वस्ति भूषण माता जी से मिला आशीर्वाद

टोंक. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन महासमिति टोंक के मीडिया प्रवक्ता मोहन सिंघल ने बताया कि दिगंबर जैन महासमिति राजस्थान अंचल अधिवेशन एवं सम्मान समारोह जयपुर में मंत्री महावीर प्रसाद पाटनी एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी के अध्यक्ष राकेश पढ़ाया सहित जयपुर संभाग के सभी साथियों ने टोंक सदस्य नवीन कुमार जैन उपाध्यक्ष, प्रकाश पटवारी, पदम कुमार जैन अलियारीवाले, निर्मल कुमार जैन, रमेश काला गुरुजी, एस एम सिंघल पूर्व प्राचार्य, बाबूलाल जैन रानोली वाले सहित सभी सदस्यों का दुपट्टा, माला एवं साफा पहनाकर जयपुर महासमिति द्वारा सम्मानित किया गया। साथ ही सभी सदस्यों ने अतिशय क्षेत्र पदमपुरा में दर्शन किए एवं पूज्य गुरु मां स्वस्ति भूषण माताजी का आशीर्वाद प्राप्त किया।

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति द्वारा 48 दीपक से भक्तामर अनुष्ठान 28 अक्टुबर को, सायं 6 बजे से

जयपुर. कासं। दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन के तत्वावधान मे दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति द्वारा आचार्य श्री सुनील सागर जी के सानिध्य मे भट्टारक जी की नशियां मे 28 अक्टूबर को 48 दीपक से भक्तामर अनुष्ठान का आयोजन सायकाल 6 बजे से भव्य समारोह के अंतर्गत संगीत व भक्ति के साथ किया जाएगा। रीजन अध्यक्ष राजेश बडजात्या व महासचिव निर्मल संघी ने बताया कि यह कार्यक्रम रीजन द्वारा प्रत्येक माह विभिन्न ग्रुपो के सहयोग से किया जा रहा हैं । इस बार इस 7वा विधान का आयोजन रीजन द्वारा सन्मति ग्रुप के सौजन्य से आचार्य श्री सुनील सागर जी वषायौग समिति के सहयोग से किया जायेगा।

पंचकल्याणक प्रतिष्ठा में बीड़ी वाला परिवार सौधर्म इंद्र एवं गांधी परिवार कुबेर इंद्र बनेगा

इंदौर. शाबाश इंडिया

समोसरण मंदिर कंचन बाग में विराजमान होने वाली शांतिनाथ भगवान की विश्व की सबसे बड़ी स्फटिक मणि की प्रतिमा का 30 नवंबर से 5 दिसंबर तक होने वाले पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के पात्रों का चयन मुनि श्री आदित्य सागर जी महाराज ससंघ के सानिध्य में संपन्न हुआ। महोत्सव के मुख्य पात्र सौधर्म इंद्र एवं इंद्राणी बीड़ी वाला परिवार के विकास जैन एवं श्रीमती सोनल जैन बनेंगे। कुबेर इंद्र इंद्राणी बनने का सौभाग्य रजनीकांत स्वाति गांधी ने प्राप्त किया, मुख्य महा यज्ञ नायक बनने का सौभाग्य क्षुल्लक सुब्रतसागर परिवार के मनोज कुमार मुकेश कुमार बाकलीवाल ने प्राप्त किया। अन्य पात्रों का चयन भी प्रतिष्ठाचार्य पंडित प्रदीप जैन के निर्देशन में बोलियों के माध्यम से किया गया। संजय गंगवाल ने नेमी कुमार एवं अतिशय राजेश जैन दद्दू ने श्रीकृष्ण बनने का सौभाग्य अर्जित किया। स्फटिक

मणि की प्रतिमा प्रदाता एवं विराजमान कर्ता पुण्यार्जक आजाद कुमार रवि देवी जैन बीडी वाला परिवार एवं सीए अशोक ममता

जैन खासगीवाला हैं। वेदी निर्माण का सौभाग्य अरुण योगेंद्र सेठी आनंद भवन ने प्राप्त किया। इस अवसर पर श्रुत संवेगी मुनि श्री आदित्यसागर जी महाराज ने महोत्सव के बने सभी पात्रो को आशीर्वाद देते हुए कहा कि इस पंचम काल में चतुर्थ काल में बने भगवान के पंचकल्याणक संपन्न करने के लिए बने सभी पात्र पुण्यशाली एवं सौभाग्यशाली है। इस पंच कल्याणक के माध्यम से प्रतिष्ठित होकर समोसरण मंदिर में विराजमान होने वाली स्फटिक मणि की प्रतिमा से धर्म की प्रभावना होगी, और जिन शासन का नाम अमर होगा एवं इंदौर नगर का गौरव भी बढ़ेगा। धर्म सभा को मुनिश्री अप्रमित सागर जी, पंडित रतनलाल जी शास्त्री एवं आचार्य श्री विद्यासागर जी के ग्रहस्थ जीवन की बहन ब्रह्मचारिणी स्वर्णा दीदी ने भी संबोधित किया।समारोह में राजकुमार पाटोदी, डॉक्टर जैनेंद्र जैन, कमलेश कासलीवाल देवेंद्र सेठी आदि समाज के गणमान्य उपस्थित थे। संचालन हंसमुख गांधी ने किया।

जैन धर्म का सबसे बड़ा मंत्र णमोकार महामंत्र है : डॉ. सुनील जैन संचय

णमोकार मंत्र से निकले हैं 84 लाख मंत्र

णमोकार मंत्र की महिमा पर प्रस्तुत किया शोधालेख

ललितपुर. शाबाश इंडिया

नगर के युवा मनीषी, जैनदर्शन के अध्येता डॉ सुनील जैन संचय ने ऐतिहासिक नगरी विदिशा में मुनि श्री सुप्रभसागर जी महाराज, मुनि श्री प्रणत सागर जी महाराज, मुनि श्री सौम्यसागर जी महाराज के सानिध्य में आयोजित 'शुभ-लाभ' (एकीभाव स्तोत्र) अनुशीलन राष्ट्रीय विद्वत्संगोष्ठी

> यह ऐसा मंत्र है जिसके स्मरण से पाप कर्म तत्काल नष्ट हो जाते हैं। ये एक अचूक मंत्र है और इसकी साधना का फल अवश्य ही मिलता है।

में 'णमोकार मंत्र की महिमा' विषय पर अपना महत्वपूर्ण शोधालेख प्रस्तुत किया। सत्र की अध्यक्षता प्रतिष्ठाचार्य ब्रह्मचारी जय कुमार निशांत ने की। सारस्वत अतिथि प्रोफेसर ऋषभचंद्र फौजदार दमोह रहे। संचालन डॉ बाहुबली जैन इंदौर ने किया। निर्देशक डॉ श्रेयांस कुमार जैन बड़ौत रहे। डॉ. सुनील जैन संचय ने राष्ट्रीय सेमिनार में अपना शोध-पत्र रखते हुए कहा कि जैन धर्म का सबसे बड़ा मंत्र णमोकार मंत्र है। इस मंत्र में किसी व्यक्ति विशेष को नमस्कार नहीं किया गया है बल्कि गुणों को नमस्कार किया गया है, यह अनादि मंत्र है। यह ऐसा मंत्र है जिसके स्मरण से पाप कर्म तत्काल नष्ट हो जाते हैं। ये एक अचूक मंत्र है और इसकी साधना का फल अवश्य ही मिलता है। णमोकार मंत्र से बड़े से बड़ा संकट भी टल जाता है। प्राचीन शास्त्रों में णमोकार मंत्र को पंच मंगल मंत्र, अपराजित मंत्र, मंत्र राज, नवकार मंत्र, मूल मंत्र, मंगल सूत्र, महामंत्र, अनादि निधन मंत्र सहित आदि नामों से जाना जाता रहा है। मंत्र प्राकृत भाषा में लिखा गया है। उन्होंने आगे कहा कि आज यह मंत्र जैन समाज के प्रत्येक अबाल-वृद्ध का कण्ठाहार है। वह मंत्र इस प्रकार है- णमो अरिहंताणं, णमो सिद्धाणं,णमो आयरियाणं,णमो उवज्झायाणं, णमो लोए सव्व साहूणं। उन्होंने आगे कहा कि णमोकार मंत्र स्मरण से अनेक लोगों के रोग, दरिद्रता, भय, विपत्तियाँ दूर होने की अनुभव सिद्ध घटनाएँ सुनी जाती हैं। मन चाहे काम आसानी से बन जाने के अनुभव भी सुने हैं।

इस महामंत्र को जैन धर्म में सबसे प्रभावशाली माना जाता है। ये पाँच परमेष्ठी हैं। इन पवित्र आत्माओं को शुद्ध भावपूर्वक किया गया यह पंच नमस्कार सब पापों का नाश करने वाला है यह महामंत्र एक लोकोत्तर मंत्र है। णमोकार महामंत्र जैनधर्म मूल मंत्र है। सब मंत्रों में णमोकार महामंत्र को मंत्राधीराज कहा जाता है। इससे 84 लाख मंत्र बने हैं।

यह मंत्र केवल शांतिक और पौष्टिक कार्यों में काम में आता है। इसका कभी कुप्रभाव किसी पर नहीं पड़ता। यह महामंत्र की विशेषता है। इसकी महिमा तो हर वह व्यक्ति जानता है जिसने इसका प्रयोग किया। अन्य मंत्रों को सिद्ध करना पड़ता है, इस णमोकार मंत्र को केवल श्रद्धा से बोलना भर पड़ता है। इसकी अचिन्त्य महिमा है। णमोकार मन्त्र को तीन श्वासोच्छवास में पढ़ते हैं। कोरोना काल में जिन्होंने इस विधि से इस मंत्र का जाप किया उनके ऑक्सीजन लेबल में आश्चर्यजनक बढ़ोत्तरी देखी गयी। इस राष्ट्रीय संगोष्ठी के संयोजक भी डॉ सुनील जैन संचय थे, इसके लिए प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह आदि के द्वारा आयोजन समिति ने सम्मानित किया।

राष्ट्रीय बेडमिन्टन खिलाड़ी गोल्डमेडलिस अंशुल जैन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया

निवाई. शाबाश इंडिया

राष्ट्रीय बेडमिन्टन खिलाड़ी निवाई के अंशुल जैन ने मोहाली चंडीगढ़ में फालकोन व्यू सोसायटी में आयोजित दो दिवसीय बैडमिन्टन प्रतियोगिता में एकल व युगल प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर टोंक जिले का नाम रोशन किया है। मीडिया प्रभारी विमल जौला ने बताया कि राष्ट्रीय बेडमिन्टन खिलाड़ी अंशुल जैन 15 व 16 अक्टूबर को मोहाली चंडीगढ़ बेडमिन्टन प्रतियोगिता मे प्रथम स्थान प्राप्त करने पर टोंक जिले में खुशी की लहर दौड़ गई। अंशुल जैन के प्रथम स्थान आने पर चंडीगढ़ में टीम द्वारा ट्रॉफी देकर अभिनन्दन किया गया। उल्लेखनीय है कि गोल्ड मेडलिस्ट अंशुल जैन पाटनी पुत्र विमल जैन पाटनी पूर्व में अखिल भारतीय बेडमिन्टन टूर्नामेंट एवं प्रतियोगिताओं में खेल चुके हैं। जिसमें उन्होंने गोल्डमेडल जीतकर टोंक जिले का नाम रोशन किया है। जौला ने बताया कि अंशुल जैन आगामी माह छत्तीसगढ़ में बैडमिंटन टूर्नामेंट खेलेंगे।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतु का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

सक्षम होते हुए भी अनुमोदना करना मायाचार कहलाता है: आचार्य विनित सागर

नवदीक्षार्थी सार्थक भैया की गोद भराई का कार्यक्रम हुआ आयोजित

कामां. शाबाश इंडिया

स्वयं और पर के कल्याणार्थ संयम के पथ पर आरुण हो जाना एवं सभी प्रकार के कर्मों की निर्जरा करने के लिए जेनेश्वरी दीक्षा अंगीकार की जाती है। दीक्षा लेने का अभिप्राय है कि ब्रह्मचर्य व्रत लेकर ग्रहस्थ जीवन को त्यागना और वैराग्य को धारण करना। सामान्य रूप से दीक्षा शब्द सरल हो सकता है लेकिन व्यवहारिक रूप से दीक्षा लेना और इस मार्ग पर आगे बढ़ना दुर्लभ से अति दुर्लभ कार्य होता है। उक्त उद्गार कामां के विजय मती त्यागी आश्रम में नव दीक्षार्थी सार्थक भैया की गोद भराई के अवसर पर दिगंबर जैन आचार्य विनीत सागर महाराज ने व्यक्त किए। आचार्य ने कहा कि अनुमोदना भी सक्षमता के आधार पर की जाती

है यदि आप किसी कार्य को करने में सक्षम नहीं है तब ही आपको अनुमोदना करनी चाहिए अन्यथा ऐसी अनुमोदना भी मायाचार के अंतर्गत आती है। जैन धर्म मे सबसे कठिन मार्ग दीक्षा लेना ही है किंतु जीवन का वास्तविक और सार्थक मार्ग भी यही है। वषायोग समिति में महामंत्री संजय सर्राफ ने बताया कि ब्रह्मचारी सार्थक भैया की गोद भराई कार्यक्रम का शुभारंभ आचार्य ज्ञान भूषण महाराज के चित्र के समक्ष जैन समाज के पदाधिकारियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर धर्म जागृति संस्थान के राष्ट्रीय प्रचार मंत्री संजय जैन बड़जात्या ने कहा कि वर्तमान में विलासिता, आराम दायक, सुख सुविधाओं की कोई कमी नही है फिर भी सांसारिक चमक व भौतिकता को त्याग कर वैराग्य धारण कोई बिरला ही व्यक्ति कर पाता है। कार्यक्रम में मनोज्ञ धाम मेरठ से अंजना दीदी,ललिता दीदी, अजित भैया,मनीषा जैन कामां,महावीर प्रसाद जैन ने संदीप से सार्थक बने नवदीक्षार्थी के व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डाला। वैराग्य की प्रारम्भिक अवस्था से ही प्रबल इच्छा थी। कार्यक्रम में नव दीक्षार्थी सार्थक भैया ने कहा कि सांसारिक जीवन में रहते हुए भी बचपन से ही मेरी इच्छा वैराग्य के पथ पर जाने की थी । किंतु विवाह होने के बाद पारिवारिक बंधनों में जकड़ गया था और जीवन में एक गुरु की कमी नजर आ रही थी। जैसे ही आचार्य ज्ञान भूषण महाराज का सानिध्य मिला तो वह कमी पूरी हो गई और पग मोक्ष मार्ग के पथ पर रखने को तैयार हो गया।

भारतीय जैन संघटना, सूरत द्वारा दीपावली स्नेह मिलन समारोह का आयोजन

सूरत. शाबाश इंडिया

भारतीय जैन संघटना, सूरत द्वारा रविवार को डुमस रोड़ पर साइलेंट जोन पर स्थित एक फॉर्म हाउस पर दीपावली स्नेह मिलन समारोह का आयोजन किया गया। स्नेह मिलन कार्यक्रम में रेम्प वॉक, विभिन्न गेम्स, गीत-संगीत की प्रस्तुति भरे मनोरंजन के कार्यक्रम आयोजित हुए व संगठन के पदाधिकारियों से लेकर सदस्यगण तक नए-पुराने तरानों पर खूब थिरके, जूनियर बप्पी लहरी के रूप में मशहूर गायक राजेश ने व प्रियंका ने अपने मधुरकण्ठ से गाये नग्मों से गजब का समा बांधा। आयोजन में बी जे एस के परिवार के तकरीबन 300 लोग शामिल हुए। इस अवसर पर भारतीय जैन संघटना गुजरात के नव मनोनीत अध्यक्ष प्रो डॉ संजय जैन व सूरत शाखा के नव मनोनीत अध्यक्ष अजय अजमेरा, सचिव संजय चावत, बी जे एस गुजरात प्रदेश के पूर्व अध्यक्ष राजेश सुराणा, पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष मोनिका मण्डोत सूरत शाखा के संस्थापक गणपत भंसाली, स्मार्ट गर्ल प्रॉजेक्ट की गुजरात प्रभारी डॉ हर्षिता जैन, सूरत प्रभारी विनीता गोलेछा तथा परामर्शक गण, पदाधिकारी गण व शाखा के सैकड़ों सदस्य मौजूद थे। स्नेह मिलन समारोह का कुशल संचालन एंकर दिव्या मुरारका ने किया। संगठन के सचिव संजय चावत ने बताया कि आयोजन को अद्वितीय बनाने में शाखा के पदाधिकारियों के अलावा डॉ सुरेन्द्र मुणोत, सुरेश अग्रवाल, विनीता गोलेछा, सुमन सुखानी, मीनाक्षी जैन, मीना सामर, संगीता जैन, प्रिया जैन, निशा सेठिया, स्मृति जैन, डॉ पूनम गुजरानी, विनीता ओरड़िया , रौनक कांकरिया, फेनिल कोठारी, किरण गोगड़, शोभना भालावत, अभिलाषा जैन, कुसुम कोठारी, सरिता कुकड़ा, सुमन जैन,हिना जैन, डॉ अनामिका तलेसरा, सीमा जैन, अरविंद कोठारी आदि अनेकों सदस्य जुटे हुए थे।

मुनि श्री सुधासागरजी महाराज ने कहा...

नियम पालने वाले पर संकट में देव मदद के लिए आ जाते हैं

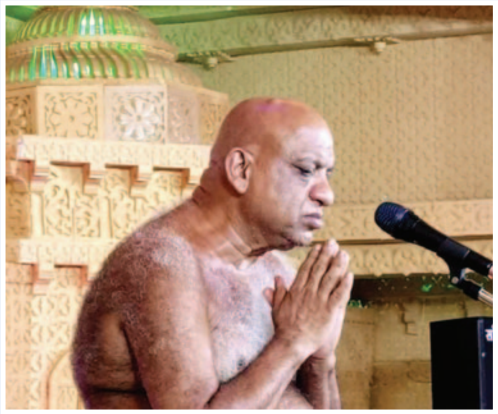

ललितपुर. शाबाश इंडिया

नियम पालने वाले की मदद करने के लिए देवता भी आ जाते हैं अहिंसा में चांडाल का नाम प्रसिद्ध हो धर्म ग्रंथों में आया जबकि पुजारी का नाम नहीं आया चांडाल का नाम क्यों आया मैंने पुरी कथा पड़ी नियम के बदले चांडाल को मौत मिली अहिंसा के बदले मौत। अहिंसा के बदले अहिंसा मिलें तो ठीक है अहिंसा के बदले मौत मिलें तो चांडाल ने मौत तो स्वीकार कर लिया । राजा ने बोरे में भरकर तालाब में फेंक देने का आदेश दे दिया तब आकाश मार्ग से जा रहें देवताओं के विमान रुक गये और वे चांडाल को कमलासन लेकर प्रकट हो गये उसने नियम लिया कि मरने को तैयार हूं लेकिन नियम नहीं तोडूंगा । देवताओं के सिंहासन हिल गये देवताओं ने चाडाल के लिए कमल बिछा दिये। जीने के लिए नहीं मरने को तैयार हूं इसलिए देवताओं ने कमल विचारक सिंहासन लगा दिया । उक्त आशय के उद्गार मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी महाराज ने ललितपुर में धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए।

सम्मान उसे मिलता है जिसने देश के लिए प्राण न्योछावर किए

मध्यप्रदेश महासभा के संयोजक विजय धुर्रा ने बताया कि इस समय ललितपुर में गुरु देव के सान्निध्य में प्रशिक्षार्थियों को मुनिश्री द्वारा विशेष सम्बोधन दिया जा रहा है इस शिविर में विभिन्न कक्षाओं के साथ आचार्य भगवंत श्री कुन्द कुन्द द्वारा रचित श्री समयसारजी ग्रन्थ राज का बहुत विशेष स्वाध्याय कराया जा रहा है। ये ग्रन्थों में ग्रंथराज कहलाता है। मुनिश्री ने कहा कि सम्मान उसे मिलता है जिसने देश के लिए प्राण न्योछावर कर दिया ।जिंदा रहने वाले को वह सम्मान नहीं मिलता। सेना में भी सर्वोच्च सम्मान मरनोपरान्त दिया जाता है। उन सैनिकों को वह सम्मान नहीं मिलता जो शहीदों को आप लोगों द्वारा दिया जाता है ।

जीवन के लिए व्यक्ति थोड़े से अनाज को भी नहीं छोड़ता

मुनि पुगंव ने कहा कि जीवन के लिए व्यक्ति थोड़े से अनाज को भी नहीं छोड़ पाते चाहें प्राण चले जाये हम मुंगावली के पास 1990 मे विहार कर रहे थे वह एक बहुत लम्बा पुल है उस पुल पर एक व्यक्ति की अनाज की पोटली गिर गई सब लोगों ने उस व्यक्ति से पुल पर जाने के लिए मना किया पुल पर ट्रेन आने का संकेत था वह व्यक्ति नहीं माना और थोड़े से अनाज के लिए अपनी जान गंवा दी। अपने जीवन की सुरक्षा पहले करना चाहिए और मरना ही है तो धर्म क्षेत्र में मरूंगा। यदि तुम्हारी मौत आ जाती है तो किस तरह मरु मन्दिर में मौत हो जाये तो मन्दिर बंद, शिखर जी करते समय मौत हो वे तो शिखर जी बंद, दिवाली पर मौत हो वे तो दिवाली पूजन बंद कर देते हैं।

वाणी के सहारे बाहर नहीं निकले हमारा क्रोध व अभिमान : समकितमुनिजी

अशुभ से निवृति लेकर शुभ कार्यों में लग जाने वाला संसार सागर से पार

उत्तराध्ययन आगम की 27 दिवसीय आराधना का 19 वां दिन

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। अशुभ से निवृति लेकर शुभ कार्यों में लग जाने वाला संसार सागर से पार हो जाता है। गमन करने से पहले ज्ञान, दर्शन एवं चरित्र का आलम्बन लेना चाहिए। इनका आलम्बन लेने पर लक्ष्य हासिल करने में आसानी रहेगी। गमन करते हुए सुमार्ग पर आगे बढ़े तो विराधना कम होगी एवं सबको मित्र बनाने की संभावना बढ़ेगी। चलते हुए दोस्त बनाते जा रहे यानि सुमार्ग पर गमन कर रहे है। ये विचार श्रमणसंघीय सलाहकार सुमतिप्रकाशजी म.सा. के सुशिष्य आगमज्ञाता, प्रज्ञामहर्षि डॉ. समकितमुनिजी म.सा. ने शांतिभवन में सोमवार को परमात्मा भगवान महावीर की अंतिम देशना उत्तराध्ययन आगम की 27 दिवसीय आराधना **''आपकी बात आपके साथ''** के 19 वें दिन व्यक्त किए। इसके तहत आगम के 36 अध्यायों में से 24 वें अध्याय प्रवचन माता का वाचन करने के साथ इसके बारे में समझाया गया। उन्होंने कहा कि चलते समय हमारा ध्यान

केवल चलने पर केन्द्रित होना चाहिए इधर-उधर ध्यान भटकाने पर दुर्घटना की आशंका बढ़ जाती है। हमे अपनी वाणी को भी क्रोध, मान, माया, लाभ, वाचालता, विकथा आदि से बचाना होगा। हमारा क्रोध-अभिमान वाणी के सहारे बाहर नहीं निकलना चाहिए। इनसे बचकर बोलने पर हमारी वाणी अमृत हो जाती है। मुनिश्री ने कहा कि लेते समय चेहरे पर कोई भाव आने पर लेना दूषित हो जाता है। प्रसाद समझ कर लेना कर्म निर्जरा का कारण बन सकता है। ले भी रहे और मुंह भी फुला रहे तो लेना व देना दोनों दूषित हो जाते है। भोजन करते समय खाने की प्रशंसा पेट में जलन पैदा करेगा और भोजन में कोई कमी नजर आई और भोजन बनाने वाले की निंदा करते हुए खा रहे तो वह हजम नहीं होगा। उन्होंने कहा कि भोजन उतना ही करे जितनी हमारे लिए शास्त्रों में सीमा तय की गई है। सीमा से अधिक खाने पर परेशानी होती है और ये परमात्मा के सिद्धांतों की धज्जियां उड़ाने के समान है। जो चीज फेंकने योग्य है उसे भी संभालकर रखने पर घर कबाड़खाना बन जाता है। धर्मसभा के शुरू में गायन कुशल जयवंतमुनिजी म.सा. ने प्रेरक गीत प्रस्तुत किया। प्रेरणाकुशल भवान्तमुनिजी म.सा. का भी सानिध्य मिला। लक्की ड्रॉ के माध्यम से भाग्यशाली श्रावक-श्राविकाओं को प्रभावना में चांदी के सिक्के लाभार्थी परिवारों द्वारा प्रदान किए गए। अतिथियों का स्वागत एवं धर्मसभा का संचालन शांतिभवन श्रीसंघ के अध्यक्ष राजेन्द्र चीपड़ ने किया।

संत साधक होने से पहले देश के नागरिक

पूज्य समकितमुनिजी म.सा. ने कहा कि संत साधक होने से पहले देश के नागरिक है। राजाज्ञा जितनी आम आदमी के लिए होती है उतनी ही संतके लिए भी होती है। संत को जिस गांव-शहर से निकले वहां के नियम मानने होते है। हमेशा परिस्थिति के हिसाब से नियमों में बदलाव होता है। संत को ऐसे निर्णय लेने चाहिए और ऐसे कार्य करने चाहिए जिसमें दोष नहीं लगे या कम से कम दोष लगे।

मदनमुनिजी म.सा. की दीक्षा जयंति पर सामूहिक एकासन 19 को

मेवाड़ प्रवर्तक पूज्य मदनमुनिजी म.सा. की 69वीं दीक्षा जयंति पर 19 अक्टूबर को शांतिभवन में सामूहिक एकासन आराधना का आयोजना होगा। आचार्य सम्राट देवेन्द्रमुनिजी म.सा. की जयंति एवं धनतेरस के पावन अवसर पर 22 अक्टूबर को शांतिभवन में सुबह 9 से 10.15 बजे तक समवरशरण ध्यान एवं शालिभद्र जाप का आयोजन होगा। जाप समापन पर शालिभद्र के हाथों 33 पेटियां लक्की ड्रॉ विजेताओं को दी जाएगी। भगवान महावीर निर्वाण कल्याणक के उपलक्ष्य में तेला तप आराधना भी 22 अक्टूबर से शुरू हो रही है। अधिकाधिक श्रावक-श्राविकाओं को तेल तप आराधना करने के लिए प्रेरणा दी जा रही है।

दो दिवसीय धार्मिक यात्रा सम्पन्न

भागचंद बाकलीवाल लांगडीयावास वालो ने मनाया अपना 80 वा जन्मदिन परिवार जनो को धार्मिक यात्रा कराकर

जयपुर. शाबाश इंडिया

प्रमुख समाज सेवी भागचंद बाकलीवाल लांगडीयावास वालो ने अपना 80 वा जन्मदिन परिवार जनो को धार्मिक यात्रा कराकर मनाया। प्रदीप व अभय बाकलीवाल ने बताया कि शनिवार को प्रातः8 बजे वातानुकुलित बस से रवाना होकर श्री दिगम्बर तीर्थ क्षेत्र आवा मे शांतिनाथ जैन मंदिर के दर्शन करके सभी यात्री जहाजपुर अतिशय क्षेत्र पहुंचे। जहां पर सायकाल भगवान मुनिसुव्रत की आरती करने का सौभाग्य भागचंद बाकलीवाल परिवार को प्राप्त हुआ उसके बाद भक्ति संध्या का आयोजन किया गया ।रविवार को प्रातः अभिषेक व शांतिधारा व पूजन सभी ने यात्रियों ने कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। शांतिधारा करने का सौभाग्य राकेश-समता, सक्षम - आरुषि गोदिका शाबाश इंडिया परिवार को प्राप्त हुआ। जहाजपुर मे अल्पाहार के पश्चात सभी अतिशय क्षेत्र बिजौलियां मे पार्श्वनाथ के दर्शन के लिए रवाना हुए। वहां पर भगवान पार्श्वनाथ की प्राचीन मनोरम प्रतिमा के दर्शन कर सभी भाव विभोर हो गये। सायंकाल भोजन के पश्चात सभी ने जयपुर के लिए प्रस्थान किया।

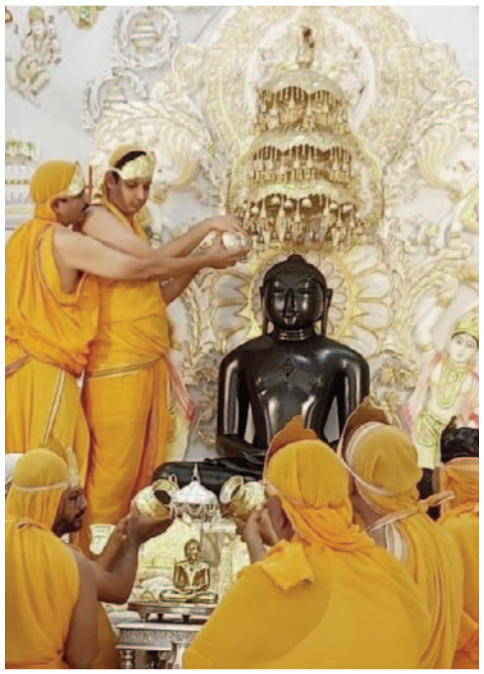

शांतिधारा करने का सौभाग्य राकेश-समता, सक्षम - आरुषि गोदिका शाबाश इंडिया परिवार को प्राप्त हुआ

दिगम्बर जैन महासमिति राजस्थान अंचल का अधिवेशन एवं भव्य सम्मान समारोह सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगम्बर जैन महासमिति राजस्थान अंचल का अधिवेशन एवं सम्मान समारोह भट्टारक की नसिया, जयपुर में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर अंचल अध्यक्ष अनिल जैन आईपीएस रिटायर्ड ने बताया कि यह अधिवेशन दो सत्रों में हुआ। इस समारोह के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक बडजात्या इन्दौर, अध्यक्षता राष्ट्रीय वरिष्ठ कार्यध्यक्ष महेंद्र पाटनी, प्रमुख अतिथि सुरेन्द्र जैन पांडया राष्ट्रीय महामंत्री, सम्मानीय अतिथि नवीन सेन जैन कार्यध्यक्ष, चित्र अनावरण करता अशोक कुमार गोधा, टैक्स एडवोकेट, दीप प्रज्वलन करता शरद मिश्रा, डाइरेक्टर त्रिमूर्ति बिल्डर एण्ड डवलपमेंट, जयपुर, विशिष्ट अतिथि डा मोहन लाल मणि प्रख्यात होम्योपैथी चिकित्सक रहे। महामंत्री महावीर जैन बाकलीवाल ने बताया कि इस अधिवेशन एवं सम्मान समारोह में राजस्थान अंचल स्थित सभी संभागो को सम्मानित किया, महासमिति परिवार से जुड़े नये गोरवमयी, संरक्षक एवं विशिष्ट सदस्यों का सम्मान किया, वयोवृद्ध गुमान मल जैन टोंग्या को शाल दुपट्टा माला साफा पहनाकर सम्मान किया एवं दीघार्यु होने की कामना की। डा णमोकार जैन, अधिवेशन के संयोजक ने बताया कि इस अधिवेशन को सम्पन्न कराने में जिन महानुभावों एवं सक्रिय सदस्यों का सम्मान किया। मुख्य सम्पादक पी सी जैन ने बताया कि इस अधिवेशन में एक स्मारिका का प्रकाशन भी किया गया जिसमें विज्ञापन दाताओं का सम्मान के साथ 108 आचार्य सुनील सागर जी महाराज एवं सभी अतिथियों के द्वारा इसका विमोचन हुआ। आचार्य 108 सुनील सागर जी महाराज ने इस अवसर पर महासमिति के सभी सदस्यों एवं कार्यकर्ता को भी आशीर्वाद दिया एवं महासमिति के कार्यक्रम की सराहना की। महामंत्री श्री महावीर जैन बाकलीवाल ने पिछले चार साल में राजस्थान अंचल ने सामाजिक धार्मिक क्षेत्र में किये कार्य का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। मंच संचालक मनीष वैद ने किया। इस अधिवेशन को सम्पन्न कराने में अपनी महती भूमिका एवं सफल संचालन किया उसके लिए आभार एवं धन्यवाद के साथ सम्मानित किया। महामंत्री महावीर जैन बाकलीवाल ने सभी अतिथियों के साथ सभी कार्यकताओं, कार्य कारिणी समिति के पदाधिकारियों को, एवं अंचल स्थित सभी सभी संभागो के अध्यक्ष मंत्रियों के साथ उनकी कार्य कारिणी समिति एंव पधारे सभी महानुभावों को धन्यवाद दिया। जिन्होंने अपने व्यस्त तम समय में से समय निकाल कर इस आयोजन को सफल बनाया।